श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, जो लोग आंतकवादी के रूप में दिल्ली में आए हैं उनमें पकड़े हुए लोगों में गुलाम मोहम्मद, असदुल्ला मीर, गुलाम मो. मीर, अब्दुल रशीद, अब्दुल अहमद शाह, वकील और शफत अहमद शागलू हैं। ये 7 लोग पकड़े गये हैं और सरकार ने यह कार्यवाही की है कि एण्टी टेरोरिस्ट सेल के तहत हर एक डिस्ट्रिक्ट पुलिस में इंटेलीजेंस रिपोर्ट कलेक्ट की जाती है और उस पर कार्यवाही की जाती है। आम पिकेट्स हर एक जगह लगाये गये हैं जो कि लोगों की गाड़ियों को चेक करते हैं। इन्टेंसिव फुट और मोबाइल पैट्रोलिंग की जा रही है, जो नोन टेरोरिस्ट्स हैं उनके फोटोग्राफ्स पब्लिश किये जा रहे हैं और रेडियो, टी.वी. या लीफलेट्स के माध्यम से लोगों को आगाह किया जा रहा है। इस तरह से क्लोज वाच रखी जाती है और यह कोशिश रहती है कि सरकारी प्रशासन चुस्त और दुरुस्त रहे जिसमें कि आंतकवादी यहां पर घुस की हिम्मत न करें। जहां तक रहा सवाल कि वहां से उनको आने देने में रुकावट डालने की क्या कोशिश की जा रही है तो आप जानते हैं कि जम्मू काश्मीर में सरकार सख्ती से इस तरह के आंतकवादियों से निपटने के लिए प्रशासनिक कार्यवाही कर रही है और उसी दृष्टिकोण से ऐसे जो लोग पकड़े जाते हैं या हार्ड कोर टेरोरिस्ट्स इन्काउंटर्स में मारे जा रहे हैं उनके दिल और दिमाग में एक वातावरण पैदा करने की सरकार कोशिश कर रही है।

श्री राम नरेश यादव : आपने बताया कि प्रशासनिक कदम उठाये जा रहे हैं लेकिन वे प्रशासनिक कदम क्या हैं यह मैं जानना चाहता हूं। दूसरा आपने बता दिया कि कितने लोग पकड़े गये, मेरा प्रश्न यह था कि कुल कितने आंतकवादी आइडेंटीफाई किये गये हैं अब तक, उनकी संख्या मैं जानना चाहता हूं?

श्री सुबोध कान्त सहाय : प्रशासनिक दृष्टिकोण से कितने और कौन किये गये हैं यह बताना सही नहीं होगा।

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Mr. Chairman Sir, may I know from the Minister whether they have identified the three persons who have travelled in Vayudoot which was pointed ou by my friend from the other side? If so, what action has been taken in this regard?

SHRI SUBODH KANT SAHAY: As I said earlier, we will collect the information and accordingly we will inform the hon. Member.

Printing Press of Postal Department at Bhubaneswar

*304. SHRI BASUDEB MOHA-PATRA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Postal Department have a printing Press of their own at Bhubaneswar for printing the various forms needed for the Postal Department;

(b) if so, what is the annual turnover of the Press;

(c) the amount spent per annum for the Press;

(d) whether the Postal Department propose to print Envelopes, Post Cards and Stamps in the Press; and

(e) if so, by when it is likely to be started ?

THE MINISTER OF STATE (INDEPENDENT CHARGE) OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir.

(b) Forms and publications printed on 932. 29 metric tons of paper in the year 1989-90..

(c) Rs. 42. 97 lakhs as per preliminary accounts for the year 1989-90 excluding the cost of paper.

(d) No, Sir.

(e) Does not arise.

SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Sir, my question is very specific. I want to know about the postal printing press situated at Bhubaneswar. Now, the hon. Minister has stated that the press is meant for printing forms and publications only. Sir, it is a fact that heavy expenditure is being incurred on the printing of postage stamps, envelopes, money order forms, etc., by the Indian Security Press at Nasik and also transport charges are heavy for sending them to the various Postal Depots situated in various parts of the country. Sir, the hon. Minister has also stated that there is no proposal for printing envelopes, post-cards and stamps in the press situated at Bhubaneswar. I would like to know from the hon. Minister what are the reasons of centralising the printing of stamps etc. at Nasik not allowing them to print in other departmental press when transport charges for sending them to the different parts of the country, ispecially to the eastern part, seems to be heavy.

My second part of the supplementary is, I want to know from the hon. Minister what is the total number of postal department press situated in different parts of the country.

श्री जनेंश्वर मिश्र : सभापति महोदय, एक तो सुरक्षा की दृष्टि से लिफाफा, कार्ड, अन्तर्देशीय और डाक-टिकट केवल सेक्यूरिटी प्रेस में ही छपवाया जा सकता है, जिसको कि वित्त मंत्रालय चलाता है ।

इनको छपवाने के लिए ठीक उसी तरह की व्यवस्था करनी पड़ती है और उसी तरह की मशीन का इस्तेमाल करना पड़ता है जैसा करेंसी नोट छपवाने के लिए करना पड़ता है और ऐसी हालत में भुवनेश्वर में इसको छपवाना उचित नहीं माना जाएगा । इस समय पोस्टल फार्म्स छपवाने के लिए हम लोग चार जगह कलकत्ता, नासिक, भुवनेश्वर तो हैं, ही, भुवनेश्वर के अलावा अलीगढ़, इन चार जगह सरकारी प्रेस हैं, जहां पर हम छपवाते हैं ।

SHRI BASUDEB MOHAPA-TRA: My second supplementary is, as the Minister has stated that the security arrangement has been made at Nasik and not in other places where the press is situated. That is why, I would like to know from the hon. Minister whether the PMG, Orissa, after considering all the facts, has given any proposal for printing stamps and envelopes at Bhubaneswar press because all types of infrastructural facilities are available there.

श्री जनेंश्वर मिश्र : भुवनेश्वर प्रेस में पोस्टल स्टाम्प छपवाने के लिए पूरा साधन नहीं है । इस बात की जानकारी सरकार को है । वहां के किसी अधिकारी ने अगर कभी सिफारिश की कि यहां पर इसको छपवाने की व्यवस्था की जाए, तो उसको अवमान्य किया गया है ।

SHRI K. K. VEERAPPAN: Sir, sometimes, the letters, the parcels and the money orders are not reaching the addressee in time. Sometimes it takes more than a week. The reason is that there is a ban for recruitment of lower grade staff in the postal department. I would like to know from the hon. Minister whether there is a ban for recruitment and if so, whether there is any proposal to lift the ban and recruit the lower grade staff.

श्री जनेंश्वर मिश्र : माननीय सदस्य का यह कहना सही है हालांकि छपाई से इसका कोई रिश्ता नहीं हैं । लेकिन माननीय सदस्य का यह कहना सही है कि कुछ दिक्कत डाक के वितरण में पड़ती है और उसका कारण है कि इस बीच, पांच छह सालों में कोई नई भर्ती नहीं हुई । सरकार की तरफ से प्रस्तावना है कि कर्मचारियों की नई भत भी की जाए ।

DR. YELAMANCHILI SIVA-JI: Sir, since there is much pressure, high rate of inflation and deficit finance on security press, do the Government proposes to hand over printing the postal stationery to some private press and relieving the security press from this burden in addition to printing additional notes?

श्री जनेश्वर मिश्र : श्री सभापति जी, पी.एम.जी. को यह अधिकार होता है कि पोस्टल फार्म्स अगर उसके यहां कम पड़ते हैं, तो चार महीने के जरूरत के हिसाब से वह प्राइवेट प्रेस से भी छपवा लेता है ।

श्री मोहम्मद अफजल : सभापति जी, मैं मंत्री जी से एक बात जानना चाहूंगा कि डाक और तार विभाग, जो अखबारात पोस्ट किए जाते हैं, कम से कम दिल्ली के अन्दर इस तरह का कानून बना हुआ है कि सुबह दस बजे से लेकर सिर्फ बारह बजे तक वह रिसीव करते हैं और उसके बाद रिसीव नहीं करते हैं, मुझे इस बात की जाति तौर पर जानकारी है कि बारह बजे के बाद भी बहुत से अखबारात पोस्ट होते हैं, बहुत से रसाले पोस्ट होते हैं, लेकिन वह सब पैसे देने के बाद पोस्ट होते हैं । तो क्या इस करप्शन को रोकने के लिए मंत्री जी कोई ऐसा कानून बनाने को कहेंगे, क्योंकि दो घंटे बहुत कम होते हैं, कई अखबारात ऐसे हैं जिनकी तादाद लाखों के अन्दर है और वह दो घंटे के अन्दर पोस्ट नहीं हो सकते हैं, इसलिए क्या मंत्री जी कोई ऐसा आदेश जारी करेंगे कि दस बजे से लेकर उसका टाइम दो बज कर दिया जाए या तीन बजे कर दिया जाए ?

श्री जनेश्वर मिश्र : इस तरह की शिकायत सरकार के पास अगर आई तो उस पर विचार किया जायेगा ।

श्री आनन्द प्रकाश गौतम : सभापति महोदय, अभी इस प्रश्न के उत्तर के माध्यम से प्रैस की बात कही गई । उत्तर प्रदेश देश का एक बहुत बड़ा भाग है और जहां राजधानी लखनऊ है, टेलीकम्यु-निकेशन विभाग ने लखनऊ की डायरेक्टरी तीन साल से नहीं छपवाई है, चूंकि वह इतनी इंपार्टेंट है और तीन साल से बहुत से परिवर्तन आए हैं तो मैं जानना चाहता हूं कि उसके लिए क्या कोई अपने प्रेस को छापने का निर्देश देंगे और डाय-रेक्टरी छापने के प्रेस लखनऊ में और बढ़ायेंगे ?

श्री जनेश्वर मिश्र : यह पोस्टल फार्म्ज का है ।

श्री सभापति : वह तो है, लेकिन अपने प्रदेश का है इसलिए उन्होंने पूछ लिया ।

श्री जनेश्वर मिश्र : इसके लिए अलग से नोटिस की जरूरत है ।

Production of Atom Bomb by India

@*305. SHRI PRAMOD MAHA-JAN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to exercise the Nuclear option and to produce an Atom Bomb;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI I. K. GUJ-RAL): (a) to (c) While the Govt. is committed to use of Nuclear Energy for peacefub purposes and is opposed to production and stockpiling of any nuclear weapons, the security situation of India is constantly under review, particularly in the light of developments

©Previously Starred Question 185, transferred fro the 15th 990.